

मुस्लिम लीग के निर्माण

1906 ई. में मुस्लिम लीग की स्थापना आधुनिक भारतीय इतिहास की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण घटना है। इसने मुस्लिम साम्प्रदायिकता की गति को काफी तीव्र कर दिया जिसकी अन्तिम परिणति भारत के विभाजन के रूप में हुई। निःसंदेह साम्प्रदायिकता की इस भावना को अंग्रेजों ने देखा है अपने साम्राज्यवादी आधार को मजबूत करने के लिए फैलाया। अंग्रेजी साम्राज्यवाद को सबसे पहला व्यवसाय 18वा. ई. के विद्रोह की सफलता के बाद, अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति का सहारा लिया और इसी कारण साम्प्रदायिकता का बीजाशपण हुआ।

ब्रिटिश साम्राज्यवाद की स्थापना के पूर्व भारतीय शासन तंत्र पर मुसलमानों का एकाधिपत्य था। सदियों तक शासक बने रहने के कारण वे हिन्दुओं से अपने को श्रेष्ठ मानते थे। अंग्रेजों के हाथों परास्त होने से उनका मनोबल टूटा और उनमें शीघ्र की भावना फैली।

Premkanta

History